अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2018) **दिनांक : 18-12-2018**

समय सीमा : 3 घंटा **चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

आचार्य श्री कालूगणी–35

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 5

(क) मांजी महाराज छोगां जी कौन से बाल मुनि के लिए पात्री लेकर आयीं व क्यों?

(ख) एक फुलका खाने के बदले सताईस परठनों की बख्शीश आचार्य कालूगणी ने किसको दी?

(ग) जब कालूगणी पदासीन हुए तब आचार्य रामचन्द जी के युग की कितनी साध्वियां विद्यमान थीं?

(घ) भिक्षु-शब्दानुशासन का निर्माण किसने और कितने वर्षों में किया?

(ङ) कालूगणी ने साधारण साधु अवस्था में कौन-कौन से आचार्यों की सेवा में कितने चातुर्मास किये?

(च) मघवागणी ने कालूगणी को आगमों की कुंजी किस भाषा को बताया और क्यों?

(छ) कालूगणी ने मुनि जीवराज जी को मस्से के लिए क्या उपचार बताया?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 10

(क) कालूगणी को कौन-कौन से काव्य ग्रन्थों में रूचि थी? वे इनका वाचन कब करते थे?

(ख) कालूगणी द्वारा मुनि बुद्धमल जी से तीन बार शारदीया नाममाला लिखाने के क्या कारण थे?

(ग) अलग से गुरु की आज्ञा लिये बिना वृद्ध पंडित जी से संस्कृत सीखने पर कालूगणी ने साध्वी को क्या उपालंभ व दंड दिया?

(घ) फतेहपुर की रतनी देवी दूगड़ ने दीक्षा की आज्ञा प्राप्त करने हेतु तीन आहार का परित्याग किया और इकहतरवें दिन देह त्याग दी, इस घटना के संदर्भ में गांधीजी ने क्या कहा?

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। 6

(क) तेरापंथ में संस्कृत के अध्ययन में पंडित रघुनन्दन जी की भूमिका पर प्रकाश डालें।

(ख) भार की पुनर्व्यवस्था पर टिप्पणी लिखें।

(ग) मुनि ऋषिराम जी के विद्रोह की घटना को संक्षेप में लिखें।

प्र. 4 सिद्ध करें कि कालूगणी बहुत बड़े सिद्ध योगी थे। विशेषकर उनकी वचन सिद्धि अचूक थी। 14

अथवा

सिद्ध करें कि कालूगणी ने सूर्य के समान तेजस्वी जीवन जिया।

युग प्रधान आचार्य तुलसी–35

प्र. 5 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 9

(क) आचार्य तुलसी को अपने गुरु कालूगणी का सान्निध्य कितने वर्षों तक मिला?

(ख) आचार्य तुलसी द्वारा लिखित संस्कृत के तीन ग्रन्थों के नाम बतायें।

(ग) सामाजिक क्रान्ति के प्रथम चरण के रूप में आचार्य तुलसी ने किसका विरोध किया?

(घ) आचार्य तुलसी की साहित्यिक कृतियों में किनका प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है?

(ङ) आचार्य श्री तुलसी के मन में साहित्य और साहित्यकारों के निर्माण की प्रेरणा कब जगी?

(च) 'असली आजादी अपनाओ' आचार्य तुलसी के इस कथन का क्या तात्पर्य था?

(छ) अणुव्रत का प्रथम अधिवेशन दिल्ली में कहां रखा गया और उसमें कितने लोगों की उपस्थिति थी?

(ज) 'विवेगे धम्ममाहिए' का क्या अर्थ है?

(झ) दक्षिण भारत की ऐतिहासिक यात्रा में मद्रास चातुर्मास के बाद आचार्य तुलसी ने कौन सा उद्घोष दिया?

(ञ) मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मन के कितने व कौन से रूप हैं?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) मानवीय एकता हेतु अणुव्रत आचार संहिता में कौन से नियम व उपनियम हैं?

(ख) उपासक श्रेणी का प्रथम शिविर कब और कहां लगा? उसमें किसकी प्रस्तुति की गई?

(ग) 13 अगस्त 1994 को संसदीय गतिरोध समाप्त करने हेतु आचार्य तुलसी ने एक महत्वपूर्ण संदेश लिखा। उस संदेश को प्राप्त कर कौन-कौन से प्रमुख व्यक्ति आचार्य श्री से मिलने आये?

प्र. 7 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6

(क) 'जैन एकता' पर आचार्य तुलसी के प्रयास पर प्रकाश डालें।

(ख) 'अमर रहेगा धर्म हमारा' यह उद्घोष आचार्य तुलसी ने कब दिया, सम्पूर्ण घटना प्रसंग को लिखें।

(ग) अणुव्रत आन्दोलन का प्रारम्भ हुआ उस समय की सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक परिस्थितियों का वर्णन करें।

प्र. 8 आचार्य श्री तुलसी की प्रवचन शैली एवम् संगीत कला पर प्रकाश डालें। 15

अथवा

सिद्ध करें कि आचार्य तुलसी महान परिव्राजक थे, उनकी यात्रा नैतिकता का अभियान था।

तुलसी-प्रबोध–21

प्र. 9 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 12

(क) महाप्रज्ञ रै.....पुनरूद्धार हो।

(ख) 'अन्तरंग परिषद' वाला पद्य।

(ग) कालूजन्म.....इंतजार हो।

(घ) ऋषभद्वार.....निस्तार हो।

(ङ) 'साहित्य-सृजन' वाला पद्य।

प्र. 10 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) सहज स्वच्छता.....बार हो।

(ख) स्वाभिमान.....बेदरकार हो।

(ग) देख अनुज.....फरमार हो।

(घ) वातावरण.....स्वीकार हो।

(ङ) नयामोड़.....ललकार हो।

तेरापंथ-प्रबोध–9

प्र. 11 कोई तीन पद्य लिखें। 9

(क) हर्षविभोर.....करार हो।

(ख) 'बादलियो आंखड़ल्यां में बरस्यो' गीत वाला पद्य।

(ग) दोरी लागी.....संस्कार हो।

(घ) पोढायां नै.....त्यार हो।

(ङ) जयपुर रो.....अणगार हो।